इंद्रानुष सोर भीटे प्रका इंद्रहान्ष में कितने है। होते हैं? उका इंद्रध्नुष में सात है। होते हैं। प्रख) इंद्रहानुष की किस बात का द्यमंड घा? उ छ। इंद्रधनुष को अपने सुंदर रूप पर बहुत धमंड गा। प्रजा) बुँह हें दृधनुष की बात सुनकर चुप क्यों रह जारी धी? उ जा) बूँद इंद्रहान्य की वसे सुनकर चुप रह जाती थी क्योंकि वह उनपने प्रशेसा करते हुए कहता था कि जब मीवह । विकलता है तो सब चीकत होकर उसे हो देखने लगतेहैं। प्रधा सूर्य ने बाँदी की सदद कैसे की? उद्या सूर्य न उत्पन आफ्नी वादलों के पीह हिपा लिया तीक दुंद्धन्ष निक्न ही न पोम और बुस तरह केंद्रों की म्हूदकी। त्र ड॰) इंदेहानीत क्रुन अन्प हुं। उ है। स्रम की विरोध जब बूँदी पर पहती है तो बूँदे उनकी रोशनी की सात रेशों में बॉटकर किरेत हैं आर इंद्रहानुष